



न्यायालय

सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2024 / 535

दर्ज तिथि:-23.12.2024

1. दिलीप कुमार पुत्र विसनाराम
जाति जाट निवासी रामजी का गोल फांटा तहसील गुडामालानी

.....वादी

बनाम

1. जस्सीदेवी पत्नी दुर्गाराम
2. छोगाराम पुत्र दुर्गाराम
3. धनी पुत्री दुर्गाराम
4. मोहनी पुत्री दुर्गाराम
5. जीयाराम पुत्र लिछमणाराम
6. खरताराम पुत्र हरचन्द
जाति जाट निवासी रामजी का गोल फांटा तहसील गुडामालानी
7. ओमप्रकाश पुत्र साजनराम
8. सुरेश कुमार पुत्र साजनराम
जाति विश्नोई निवासी मेघावा तहसील चितलवाना जिला सांचौर।
9. गुणेशाराम पुत्र करनाराम
10. भीखाराम पुत्र आसुराम
जाति जाट निवासी गोदारों का तला तहसील चौहटन जिला बाड़मेर।
11. चैनाराम पुत्र वालाराम
जाति जाट निवासी सगराणियों की बेरी तहसील गुडामालानी
12. धर्मराम पुत्र भैराराम
जाति विश्नोई निवासी झाकरड़ा, तहसील धोरीमना
13. भीयाराम पुत्र लाखाराम
जाति जाट निवासी पाण्डव नगर तहसील धोरीमना
14. मालाराम पुत्र पाबूराम
जाति जाट निवासी जाणियों की ढाणी तहसील धोरीमना
15. शेराराम पुत्र डूंगराराम
16. हेमाराम पुत्र आईदानराम
समस्त जाति जाट निवासी पाबूबेरा तहसील गुडामालानी

.....असल प्रतिवादीगण



17. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार गुड़ामालानी एवं उपपंजीयक गुड़ामालानी।

.....तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री चिमनसिंह चौधरी

प्रतिवादीगण:-श्री हरीश चौधरी

श्री राजेश जाणी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

:-निर्णय:-

निर्णय तिथि:-04.05.2026

1. आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा- 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 का बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। तत्पश्चात प्रकरण में दिनांक 13.06.2025 को प्रारम्भिक डिक्री जारी की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी से कुर्रेजात रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/2026/2145 दिनांक 11.03.2026 द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। उक्त कुर्रेजात रिपोर्ट पर अभिभाषक उभयपक्षकारान द्वारा सहमति प्रदान की तथा प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई। तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/2026/2145 दिनांक 11.03.2026 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	सत्यमेव जय अपनायी गई प्रक्रिया
<p>21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields.</p> <p>- The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.</p>	<p>प्रकरण में दिनांक 08.01.2026 को तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>
<p>प्रकरण में पक्षकारो को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में</p>	<p>1. प्रकरण में समस्त वादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 3064-3080 दिनांक 19.12.2025 द्वारा मौका</p>

पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।	निरीक्षण की दिनांक 08.01.2026 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। 2. प्रकरण में समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 3064—3080 दिनांक 19.12.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 08.01.2026 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।
--	---

2. प्रकरण में वादीगण द्वारा कुर्रेजात रिपोर्ट पर दी गई सहमति एवं बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2071—2074 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण हाल आराजी खसरा संख्या संयुक्त आराजी खसरा संख्या 965 / 459 / 2.2905 है0 वाके ग्राम रामजी का गोल फांटा तहसील गुड़ामालानी के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं असल प्रतिवादीगण की शामिलती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादी तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। पक्षकार की कुर्रेजात रिपोर्ट पर सहमति को ध्यान में रखते हुए पक्षकारान के मध्य उक्त विवादित आराजीयात् का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है अतः दावा वादीगण मुताबिक विभाजन—प्रस्ताव (कुर्रेजात रिपोर्ट) मय नक्शा— ट्रेस के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।
3. प्रकरण में वादी द्वारा तकसीम आराजी के साथ—साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादी के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955 की धारा—188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार है:—

188. Injunction against wrongful ejectment—

(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.

(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-

(a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;

(b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;

(c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.

(d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.

4. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा-188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों की आमदरफत में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण किया जा रहा हो/किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न/अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए हैं। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 की उपधारा-2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई हैं:-

परिस्थिति	विवरण
1.	जब हो रहे/होने वाले संभावित अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक/मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत/संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

5. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में वादी का प्रथम अनुतोष स्वीकार होने के पश्चात् मुतनाजा आराजी पर वादी का संयुक्त काश्तकार घोषित होने के आधार पर वादी की संयुक्त खातेदारी होना पूर्ण रूप से साबित होती है। अतः मुतनाजा आराजी पर मुताबिक हिस्सा वादी का संयुक्त स्वामित्व अविवादित है। प्रकरण में वादीगण व प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात् वादीगण व प्रतिवादीगण का पृथक-पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादी व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी

बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।

6. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक-पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि

दावा वादीगण एवं प्रतिवादी का प्रतिदावा अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या संयुक्त आराजी खसरा संख्या 965/459/2.2905 है0 वाके ग्राम रामजी का गोल फांटा तहसील गुड़ामालानी मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
दिलीप कुमार पुत्र विसनाराम जाति जाट सा0 बींजराड़ हाल सा0 देह	पूर्ण	रामजी का गोल फांटा	965 / 459	0.0451	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 0.0451 है0					
भींयाराम पुत्र लाखाराम जाति जाट सा0 पाण्डव नगर तहसील धोरीमन्ना खातेदार	पूर्ण	रामजी का गोल फांटा	965 / 459 965 / 459	0.1619 0.1079	बा0दो0 बा0दो0
कुल किता 02 रकबा 0.2698 है0					

ओमप्रकाश पुत्र साजनराम जाति विश्‍नोई सा0 मेघावा	167 / 19756				
खरताराम पुत्र हरचंदराम जाति जाट सा0 देह	8113 / 19756				
गुणेशाराम पुत्र करनाराम जाति जाट सा0 गोदारों का तला चौहटन	61 / 19756				
चैनाराम पुत्र वालाराम जाट सा0 सगराणियों की बेरी	334 / 19756				
छोगाराम पुत्र दुर्गाराम जाट जस्सीदेवी पत्नी दुर्गाराम जाट	2256 / 19756 1805 / 19756				
जीयाराम पुत्र लिछमणाराम नगर	122 / 19756				
धनी पुत्री दुर्गाराम जाट	2256 / 19756				
धर्मराम पुत्र भेराराम विश्वनोई सा0 झाकरड़ा खातेदार	540 / 19756	रामजी का गोल फांटा	965 / 459 965 / 459	0.1382 1.8374	बा0दो0 बा0दो0
भीखाराम पुत्र आसूराम जाट सा0 गोदारों का तला चौहटन	61 / 19756				
मालाराम पुत्र पाबूराम जाट सा0 जाणियों की ढाणी खातेदार	540 / 19756				
मोहनी पुत्री दुर्गाराम जाट	2256 / 19756				
शेराराम पुत्र डूंगराराम जाट	539 / 19756				
सुरेश कुमार पुत्र साजनराम विश्वनोई सा0 मेघावा चितलवाना	167 / 19756				
हेमाराम पुत्र आईदानराम जाट सा0 पाबूबेरा खातेदार	539 / 19756				
कुल किता 02 रकबा 1.9756 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रेजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह निर्णय आज दिनांक 04.05.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुड़ामालानी





न्यायालय

सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2024 / 535

दर्ज तिथि:-23.12.2024

1. दिलीप कुमार पुत्र विसनाराम
जाति जाट निवासी रामजी का गोल फांटा तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर।

.....वादी

बनाम

1. जस्सीदेवी पत्नी दुर्गाराम
2. छोगाराम पुत्र दुर्गाराम
3. धनी पुत्री दुर्गाराम
4. मोहनी पुत्री दुर्गाराम
5. जीयाराम पुत्र लिछमणाराम
6. खरताराम पुत्र हरचन्द
जाति जाट निवासी रामजी का गोल फांटा तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर।
7. ओमप्रकाश पुत्र साजनराम
8. सुरेश कुमार पुत्र साजनराम
जाति विश्णोई निवासी मेघावा तहसील चितलवाना जिला सांचौर।
9. गुणेशाराम पुत्र करनाराम
10. भीखाराम पुत्र आसुराम
जाति जाट निवासी गोदारों का तला तहसील चौहटन जिला बाड़मेर।
11. चैनाराम पुत्र वालाराम
जाति जाट निवासी सगराणियो की बेरी तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर।
12. धर्मराम पुत्र भैराराम
जाति विश्णोई निवासी झाकरड़ा, तहसील धोरीमना जिला बाड़मेर।
13. भीयाराम पुत्र लाखाराम
जाति जाट निवासी पाण्डव नगर तहसील धोरीमना जिला बाड़मेर।
14. मालाराम पुत्र पाबूराम
जाति जाट निवासी जाणियो की ढाणी तहसील धोरीमना जिला बाड़मेर।
15. शेराराम पुत्र डूंगराराम
16. हेमाराम पुत्र आईदानराम
समस्त जाति जाट निवासी पाबूबेरा तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर।

.....असल प्रतिवादीगण

17. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार गुड़ामालानी एवं उपपंजीयक गुड़ामालानी।

.....तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री चिमनसिंह चौधरी

प्रतिवादीगण:-श्री हरीश चौधरी

श्री राजेश जाणी

-:पर्चा डिक्री:-

दावा वादीगण एवं प्रतिवादी का प्रतिदावा अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या संयुक्त आराजी खसरा संख्या 965/459/2.2905 है0 वाके ग्राम रामजी का गोल फांटा तहसील गुड़ामालानी मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
दिलीप कुमार पुत्र विसनाराम जाति जाट सा0 बींजराड़ हाल सा0 देह	पूर्ण	रामजी का गोल फांटा	965 / 459	0.0451	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 0.0451 है0					
भीयाराम पुत्र लाखाराम जाति जाट सा0 पाण्डव नगर तहसील धोरीमन्ना खातेदार	पूर्ण	रामजी का गोल फांटा	965 / 459 965 / 459	0.1619 0.1079	बा0दो0 बा0दो0
कुल किता 02 रकबा 0.2698 है0					

ओमप्रकाश पुत्र साजनराम जाति विश्‍नोई सा0 मेघावा	167 / 19756				
खरताराम पुत्र हरचंदराम जाति जाट सा0 देह	8113 / 19756				
गुणेशाराम पुत्र करनाराम जाति जाट सा0 गोदारों का तला चौहटन	61 / 19756				
चैनाराम पुत्र वालाराम जाट सा0 सगराणियों की बेरी	334 / 19756				
छोगाराम पुत्र दुर्गाराम जाट जस्सीदेवी पत्नी दुर्गाराम जाट	2256 / 19756 1805 / 19756				
जीयाराम पुत्र लिछमणाराम नगर	122 / 19756				
धनी पुत्री दुर्गाराम जाट	2256 / 19756				
धर्मराम पुत्र भेराराम विश्वनोई सा0 झाकरड़ा खातेदार	540 / 19756	रामजी का गोल फांटा	965 / 459 965 / 459	0.1382 1.8374	बा0दो0 बा0दो0
भीखाराम पुत्र आसूराम जाट सा0 गोदारों का तला चौहटन	61 / 19756				
मालाराम पुत्र पाबूराम जाट सा0 जाणियों की ढाणी खातेदार	540 / 19756				
मोहनी पुत्री दुर्गाराम जाट	2256 / 19756				
शेराराम पुत्र डूंगराराम जाट	539 / 19756				
सुरेश कुमार पुत्र साजनराम विश्वनोई सा0 मेघावा चितलवाना	167 / 19756				
हेमाराम पुत्र आईदानराम जाट सा0 पाबूबेरा खातेदार	539 / 19756				
कुल किता 02 रकबा 1.9756 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

दिलीप कुमार बनाम जस्सीदेवी
2024 / 535

निर्णय दिनांक:—04.05.2026

नक्शा कुर्रेजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह डिक्री आज दिनांक 04.05.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुढामालानी

